7 AUG 2019

दैनिक राष्ट्रदूत, जयपुर

'आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिये भर्ती थी, आशा, साथिन को शामिल करना गलत'

■ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ ने 9 अगस्त को प्रदर्शन की चेतावनी दी

जयपुर, (का.सं.)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता संघ की प्रदेशाध्यक्ष भगवती शर्मा ने बताया कि राजस्थान पत्रिका एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी एक अक्टूबर 2018 को विज्ञापन में 309 रिक्त पदों के लिये भर्ती निकाली। इसमें आशा, साथिन आदि संवर्ग का तो नाम ही नहीं है तो यह कहां से इन्हें शामिल कर लिया। उन्होंने राज्य सरकार से अपील की है कि संघ को नियमानुसार न्याय दिलवाए और न्यायोचित मामलों को पूरा कर अनुग्रहीत करें। उन्होंने आगे कहा कि यदि हमारी बातों पर राज्य सरकार ने गौर नहीं किया तो नौ अगस्त को महात्मा गांधी के चलाए हुए पद चिन्हों के अनुसार धरना प्रदर्शन करने की कार्यवाही करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस विज्ञापन में मुख्य रूप से स्पष्ट किया गया कि कोई भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जो किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक हो, जिसे 10 वर्ष का या 10 वर्ष से अधिक का कार्यानुभव हो और केवल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ही हो, उन्हीं को महिला पर्यवेक्षक के रूप में लिखित परीक्षा देकर परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी, और उन्हीं में से चयन प्रक्रिया प्रारम्भ होगी। लेकिन दुर्भाग्य है जो 10 वर्ष से अधिक समय से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मानदेय कर्मी के रूप में कार्यरत है और स्नातक, स्नातकोत्तर एवं इससे भी अधिक योग्यता रखने वाली हैं उनको इसमें नजर अंदाज किया गया। गणित सलेबस से बाहर की सारी प्रक्रिया आई जो गलत है। यह प्रश्न केवल आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के लिए थी और इसमें आशा साथिन को भी इसमें सम्मिलित कर लिया जो विज्ञापन एवं निर्देशों के विपरीत है। उन्होंने बताया कि अनुभवी स्नातकोत्तर और अधिक योग्यता रखने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को इसमें विचार नहीं किया गया और अन्य संवर्ग सहायिका, आशा, साथिन, सहयोगिन आदि संवर्ग को अभ्यार्थी जिनको केवल 5, 4 वर्ष का ही अनुभव है उनको कंसीडर कर लिया और चयन प्रक्रिया में डालकर उनको सफल प्रत्याशी मान लिया गया जो विशिष्ट, राजस्थान महिला एवं बाल विकास के निर्देश के विपरीत है। उन्होंने बताया कि राजस्थान राज्य अधीनस्थ कार्मिक चयन बोर्ड के अध्यक्ष बी.एल. जाटावत द्वारा यह घोषणा की गई है और करोड़ों रुपये की इसमें हेराफेरी की गई है।